

श्रीदारु पुं. (तत्.) 1. चंदन की लकड़ी 2. देवदार का वृक्ष।

श्रीधर पुं. (तत्.) विष्णु।

श्रीधाम पुं. (तत्.) 1. वैकुण्ठ लोक 2. कमल।

श्रीनंदन पुं. (तत्.) लक्ष्मी का पुत्र, कामदेव।

श्रीनाथ पुं. (तत्.) विष्णु।

श्रीनिकेत पुं. (तत्.) 1. दे. श्रीधाम 2. विष्णु।

श्रीनिकेतन पुं. (तत्.) 1. दे. श्रीधाम 2. विष्णु।

श्रीनिधि पुं. (तत्.) विष्णु।

श्रीनिवास पुं. (तत्.) 1. दे. श्रीधाम 2. विष्णु

श्रीपति पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. धनी व्यक्ति 3. राजा।

श्रीपति मंदिर पुं. (तत्.) 1. विष्णु का मंदिर 2. वैकुण्ठ लोक।

श्रीपथ पुं. (तत्.) राजमार्ग।

श्रीपद पुं. (तत्.) 1. लक्ष्मी के चरण 2. लक्ष्मी का स्थान या धाम 3. (छंद) 12 वर्णों वाला एक समवर्णिक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः नगण, तगण, जगण और यगण होते हैं तथा 8, 4 पर यति होती है।

श्रीपुत्र पुं. (तत्.) लक्ष्मीपुत्र कामदेव।

श्रीप्रद वि. (तत्.) श्री देने वाला।

श्रीफल पुं. (तत्.) 1. नारियल 2. बेल 3. धन।

श्रीबंधु पुं. (तत्.) लक्ष्मी का भाई, चंद्रमा, अमृत।

श्रीभ्रष्ट वि. (तत्.) श्री (संपत्ति, यश, शोभा या कांति) से हीन।

श्रीभ्राता पुं. (तत्.) दे. श्रीबंधु।

श्रीमंत वि. (तत्.) श्री से युक्त, श्रीमान्।

श्रीमती वि. (तत्.) श्रीमान् का स्त्रीलिंगवाची शब्द।

श्रीमत् वि. (तत्.) श्रीमान्।

श्रीमद पुं. (तत्.) श्री (संपत्ति, यश, सौंदर्य आदि) का नशा।

श्रीमय वि. (तत्.) श्री से युक्त, श्री से परिपूर्ण।

श्रीमान वि. (तत्.) श्री से युक्त।

श्रीमुख पुं. (तत्.) 1. शोभायुक्त सुंदर मुख 2. आदर प्रकट करने के 'मुख' के साथ 'श्री' शब्द लगा दिया जाता है जैसे- महात्मा जी के श्रीमुख से अमृतवचनों की वर्षा हो रही थी।

श्रीमुद्रा स्त्री. (तत्.) वैष्णव मत के अनुयायियों द्वारा माथे पर लगाया जाने वाला विशिष्ट आकृति का तिलक।

श्रीमूर्ति स्त्री. (तत्.) 1. लक्ष्मी की मूर्ति 2. आदरयुक्त 'श्री' शब्द के साथ मूर्ति जैसे- विष्णु की श्रीमूर्ति को माल्यार्पण करें।

श्रीयुक्त वि. (तत्.) अत्यंत शोभित, सुशोभित, कांतियुक्त, धनवान, श्रीमान्।

श्रीयुत वि. (तत्.) 1. 'श्रीयुक्त' का संक्षिप्त रूप 2. आदरसूचक विशेषण के रूप में जीवित व्यक्ति के नाम से लगाया जाने वाला शब्द।

श्रीरंग पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. लक्ष्मीसहित विष्णु 3. राम 4. कृष्ण।

श्रीरंजनी स्त्री. (तत्.) संगी. काफी ठाठ की एक रागिनी।

श्रीरवन पुं. (तत्.) दे. श्रीरमण।

श्रील वि. (तत्.) 1. शोभायुक्त, श्रीमान् 2. ऐश्वर्य सम्पन्न, भाग्यवान्, धनी 3. यशस्वी 4. भक्तियुक्त 5. सौंदर्ययुक्त।

श्रीवंत पुं. (तत्.) विष्णु।

श्रीवत्स पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. विष्णु के वक्षस्थल पर अंकित एक विशिष्ट चिह्न, पुराणों के अनुसार महर्षि भृगु के चरण पर स्थित चिह्न जो लात मारने के कारण विष्णु की छाती पर अंकित हो गया था, यह दक्षिणावर्त भौरी जैसा था।

श्रीवत्सधारी पुं. (तत्.) विष्णु।

श्रीवत्सलांछन पुं. (तत्.) विष्णु।

श्रीवन पुं. (तत्.) वृंदावन, जहाँ कृष्ण ने लीला की थी।

श्रीवर पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. राम 3. कृष्ण।